(v) राजस्थान का अपवाह तंत्र : नदियाँ एवं झीलें

625. निम्नलिखित में से कौनसा (नदी - सम्बन्धित जिला) सुमेलित नहीं है?

(a) दाई - अजमेर
(b) बाणगंगा - जयपुर
(c) काकणी - जैसलमेर
(d) वात्रक - बांसवाड़ा

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (d) : सही सुमेलित है -

नदी	-	सम्बन्धित जिला
दाई	-	अजमेर
बाणगंगा	-	जयपुर
काकणी	-	जैसलमेर
वात्रक	-	डूंगरपुर

626. जल उपलब्धता के आधार पर कौन सा नदी बेसिन राजस्थान में द्वितीय स्थान पर है?

(a) बनास बेसिन
(b) माही बेसिन
(c) लूनी बेसिन
(d) साबरमती बेसिन

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (a) : जल उपलब्धता के आधार पर बनास नदी बेसिन राजस्थान में द्वितीय स्थान पर है। बनास नदी अरावली की खमनोर पहाड़ियों से निकलती है। यह चम्बल की सहायक नदी है। इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ बेड़च, मेनाल, कौठरी, मांसी, खारी, मोरेल, ढील एवं डाई है। इस नदी पर बीसलपुर बाँध का निर्माण किया गया है।

627. निम्नलिखित नदियों मे से कौन अध्यारोपित नदी का उदाहरण है?

(a) घग्गर (b) माही
(c) बनास (d) जाखम

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-B

Ans. (c) : जब किसी भू-आकृतिक प्रदेश में धरातलीय संरचना नीचे की संरचना से भिन्न होती है तो अध्यारोपित प्रवाह प्रणाली विकसित होती है। अधरोपित नदी का उदाहरण सोन, चम्बल, स्वर्ण रेखा तथा बनास नदी है।

628. राजस्थान का एकमात्र स्थलीय अल्कापिंड प्रहार क्रेटर (एम.आई.सी) स्थित है-

(a) रामगढ़, बारां
(b) रामगढ़, अलवर
(c) रामगढ़, झुंझुनू
(d) रामगढ़, सीकर

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-B

Ans. (a) : राजस्थान का एकमात्र स्थलीय उल्कापिंड प्रहार क्रेटर (MIC) रामगढ़ बारा में है। भारत में कुल तीन स्थलीय उल्कापिंड प्रहार क्रेटर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में स्थित है। महाराष्ट्र में लुनार क्रेटर बुलढाना, ढाला क्रेटर मध्य प्रदेश में स्थित है।

629. निम्नलिखित विशेषताएं किस नदी की हैं?

-इसका उद्गम कुम्भलगढ़ किले के निकट अरावली पहाड़ियों से हैं।
-यह नदी मेवाड़ के मैदान के मध्य से गुजरती है।
-बेडच, कोठारी व मोरेल इसकी सहायक नदियाँ हैं।

(a) बनास (b) लूनी
(c) चम्बल (d) माही

RPSC RAS (Pre) 2021

Ans. (a) : बनास नदी राजसमंद जिले के अरावली पर्वत श्रेणियों में कुम्भलगढ़ किले के पास खमनौर की पहाड़ी से निकलती है। यह सवाई माधोपुर जिले में रामेश्वर नामक स्थल पर चम्बल नदी में मिल जाती है। यही नदी मेवाड़ के मैदान की महत्वपूर्ण नदी है। बेडच एवं मेनाल इसकी दाये तट की सहायक नदियाँ है तथा कोठारी, खारी, डाई, ढील, सोहदरा, मोरेल एवं कालीसिल इसके बायें तट की सहायक नदियाँ है। बनास नदी की कुल लम्बाई लगभग 512 किमी. है। मातरीकुंडीया बांध, बीसलपुर बांध और ईसरदा बांध बनास नदी पर ही निर्मित है। बनास नदी को ही राजस्थान की यमुना, वन की आशा अथवा वर्णाशा भी कहते हैं। बनास राजस्थान में पूर्णतः बहने वाली सबसे लम्बी नदी है। बनास नदी बेडच और मेनाल नदियों के साथ त्रिवेणी संगम का निर्माण करती है। बनास राजस्थान को सर्वाधिक जल की आपूर्ति करने वाली नदी है।

630. बनास नदी त्रिवेणी संगम का निर्माण ..... नदियों के साथ करती है।

(a) बेड़च और मेनाल (b) मेनाल और गंभीरी
(c) मेनाल और कोठारी (d) बेडच और गंभीरी

RPSC Van Rakshak 11.12.2020 (3 to 5 pm)

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

631. बनास नदी का उद्गम स्थल है

(a) सिहोर क्षेत्र
(b) देवास के निकट
(c) खमनौर की पहाड़ियाँ
(d) हरिपुरा गाँव

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

632. बनास नदी का निकास है:

(a) कैमूर पहाडिया
(b) बैराठ पहाडिया
(c) कुम्भलगढ़ पहाडिया
(d) गोगुन्डा पहाडिया

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।